तहसील स्तर पर अस्पताल, ऑक्सीजन, टेस्ट रिपोर्ट गतिमान होनी चाहिए

पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख का मत

प्रतिनिधि, 17 मई

अमरावती- लगभग 3 माह से संपूर्ण शहर सहित जिले में कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन और संचारबंदी का फटका नागरिकों को सहन करना पड़ रहा है. लॉकडाउन व संचारबंदी रहने के बाद भी मात्र मरीज संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही. शनिवार को पाए गए 1097 मरीजों में से 951 मरीज ग्रामीण क्षेत्रों के तथा 146 मरीज शहर के थे अर्थात शहर में कोरोना की स्थिति धीरे-धीरे नियंत्रण में आ रही है. जिसके कारण अब प्रशासन को अपना ध्यान ग्रामीण स्तर पर अर्थात तहसील स्तर पर केंद्रित करना आवश्यक है. इसके लिए तहसील स्तर पर कोरोना हॉस्पिटल, ऑक्सीजन आपूर्ति, वेंटिलेटर, टेस्ट रिपोर्ट तत्काल प्राप्त हों, इन बातों की ओर ध्यान देना आवश्यक होने का मत पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख ने व्यक्त किया. आज जिले में कोरोना की आंकड़े वारी भी हजार से नीचे आने को तैयार नहीं. रोजाना नए हजारों मरीजों की वृद्धि हो रही है. जिसके कारण प्रशासन सहित नागरिकों में दहशत का वातावरण है. एक

ओर तो विगत तीन माह से लॉकडाउन और संचारबंदी के शुरु रहते हुए भी स्थिति नियंत्रण में क्यों नहीं, ऐसा प्रश्न पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख ने पूछा, साथ ही उन्होंने कुछ मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता भी व्यक्त की.

ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण मुहिम तेजी से चलाएं

फिलहाल टीकाकरण मुहिम शुरु हो गई है, किंतु इसमें गड़बड़ शुरू है. ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली मरीजों की संख्या को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण मुहिम को तेजी से चलाने की आवश्यकता डॉ. देशमुख ने व्यक्त की.

टेस्ट रिजल्ट तेजी से चाहिए

फिलहाल संदेहास्पद कोरोना मरीजों का सैम्पल लेने के बाद तीन दिनों में रिपोर्ट मिलती है. जिसके कारण संबंधित मरीज सुपर स्प्रेडर साबित होता है. रिपोर्ट मिलने तक वह 1 से 6 लोगों को संक्रमित करता है जिसके कारण ग्रामीण क्षेत्रों में संदेहास्पदों के सैम्पल लिए तो संक्रमण नहीं बढ़ेगा, स्वयं मरीज भी गंभीर नहीं होगा, उसपर तत्काल उपचार शुरु हो जाता है. इसलिए टेस्ट रिपोर्ट शीघ्र ही मिलनी चाहिए, इसके लिए प्रशासन को योग्य व्यवस्था करने की आवश्यकता डॉ. देशमुख ने व्यक्त की.

लॉकडाऊन ने सुधार दी अमरावती की हवा

प्रदूषण नियंत्रण मंडल के हवा, ध्वनिमापक यंत्र का निष्कर्ष, साफ हुआ माहौल

प्रतिनिधि, 17 मई

अमरावती - शहर में कोरोना महामारी की तीव्रता के मद्देनजर जारी लॉकडाऊन के कारण वाहनों की भीड़ रास्ते पर काफी हद तक कम हो गई है. इससे अमरावती की हवा में सुधार आया है. शहर का हवा गुणवत्ता निर्देशांक 30 है. हवा में सल्फर डाइआक्सीइड, नाइट्रोजन डायआक्साईड तथा धुल-कण की मात्रा नियंत्रण में है. इस आशय की जानकारी महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल की रिपोर्ट में दी गई है. फिलहाल अमरावती में आल्हाददायक वातावरण है. प्रदूषण बोर्ड द्वारा शहर के पांच स्थानों पर इसकी जांच के लिए यंत्र लगाया गया था. इसमें दर्ज जानकारी ने उक्त बात को साबित किया. बोर्ड ने डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि महाविद्यालय , कोंडेश्वर मार्ग पर एमआईडीसी, अमरावती-नागपुर महामार्ग पर पंचतारांकित एमआईडीसी, जिलाधिकारी कार्यालय तथा महापालिका मुख्यालय के सामने हवा तथा ध्वनि प्रदूषण मापक यंत्र लगाया था. 13 अप्रैल से 13 मई के बीच के हवा प्रदूषण की जानकारी इसमें दर्ज की गई है.

इस तरह होनी चाहिए मात्रा

हवा गुणवत्ता निर्देशांक का परिमाण 0-50 अच्छा, 51-100 संतोषजनक, 101-200 मध्यम, 201-300 खराब तथा 300 से अधिक अत्याधिक घातक रहता है. इसी तरह हवा में सल्फर डायआक्साइड का प्रमाण 80 माइक्रोग्राम पर क्यूबिक मीटर से अधिक नहीं रहना चाहिए. धूल कण 100 मायक्रो ग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए. इन सभी में हवा गुणवत्ता निर्देशांक महत्वपूर्ण रहता है. वह 50 से कम रहने पर हवा को बेहतरीन माना जाता है. महापालिका क्षेत्र में हवा गुणवत्ता निर्देशांक 34 पाया गया.पंचवटी चौक 26, औद्योगिक वसाहत 39 तथा महापालिका मुख्यालय में निर्देशांक 44 मिला है. कुल मिलाकर शहर में कड़ाई से जारी लॉकडाऊन के कारण वाहनों की संख्या में कमी होने से हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की बात कही जा रही है.

प्रशांत नगर चौक, वनराई गली सड़क के बीचोंबीच खोद काम

भूमिगत गटर पाइप लाइन के लिए खोदी सड़क, काम अधूरा

प्रतिनिधि, 17 मई

अमरावती- शहर के प्रशांत नगर चौक में संतोष मेडिकल से वनराई गली सड़क के बीचोंबीच खोद काम किए जाने के कारण सड़क की दुरावस्था हो गई है. जगह-जगह बड़े-बड़े गढ्ढे पड़ गए हैं. जिसके कारण वाहन चालकों को भारी सर्कस करनी पड़ रही है. देर रात में आने वाले वाहन चालकों को गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण अनेक छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं आए दिन होती रहने की शिकायत स्थानीय नागरिकों ने की है. विगत 8 मई से मजीप्रा अंतर्गत भूमिगत गटर योजना के वॉल्व के काम के लिए सड़क के बीचोंबीच खोद काम किया गया. मात्र खोदकाम करने के बाद अचानक काम बंद कर दिए जाने से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियां उठानी पड़ रही है. फिलहाल शहर के अनेक भागों में सीमेंट क्रांक्रीट की सड़कें तैयार हो गई हैं. इन सड़कों के कामों के लिए करोड़ो रूपयों की निधि खर्च की गई. उन सड़कों के नीचे डाली गई भूमिगत गटर की पाइप लाइन फूटने की घटनाएं सामने आई. जिसके कारण शहर के अनेक रास्ते मरम्मत के काम के लिए खोद दिए गए हैं. प्रशांत नगर चौक में संतोष मेडिकल से वनराई गली का खोद काम उसी का एक भाग है. इस रास्ते के दोनों ओर एक फुट का अंतर छोड़कर रास्ता बीचोंबीच खोदा गया है. इस संबंध में मजीप्रा की ओर से केवल दर्शक की भूमिका अपनाए जाने के कारण परिसर के निवासियों ने रोष व्यक्त किया है.

मरीज गिरने की घटनाएं भी घटीं

संतोष मेडिकल से वनराई गली परिसर में सर्जन उसी प्रकार अन्य निजी अस्पताल हैं. जहां मरीज उपचार के लिए आते हैं. इस गली में शुरु मजीप्रा की भूमिगत गटर योजना के कार्य के कारण संपूर्ण रास्ता खोदा गया है. जिसके कारण मरीजों को चलने में, उसी प्रकार एंम्बुलेंस को आने-जाने में तकलीफ होती है. खोद काम की गई सड़क पर कुछ मरीज गिरने की भी घटनाएं घटी हैं. - डॉ. उज्जवला बारंगे, अनुश्री हॉस्पिटल

मजीप्रा के काम का प्लानिंग योग्य नहीं

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के भूमिगत गटर योजना के काम के लिए व्यवस्थित बनी सड़क को खोदा गया. जिसके कारण आने-जाने वालों को तकलीफें उठानी पड़ रही हैं. मजीप्रा प्रशासन का कोई भी प्लानिंग योग्य नहीं. जिसके कारण ही यह रास्ता खोदी गई अवस्था में ही पड़ा है. - मधु घारड़, स्थानीय नागरिक, वनराई संस्था

आने-जाने वालों को नाहक ही हो रही परेशानियां

लगभग 8 मई अर्थात लॉकडाउन लगने से एक दिन पूर्व कर्मचारियों ने इस सड़क का खोद काम शुरु किया. रास्ते के बीचोंबीच दो फीट गहरी खुदाई की, जिसके कारण यहां से आने-जाने वालों को काफी अड़चन हो रही है. वाहन खड़े करने के लिए भी जगह नहीं है. रात के समय वृद्ध नागरिकों को भी काफी तकलीफें उठानी पड़ती हैं. **- दिलीप कोकड़े, स्थानीय नागरिक**

प्रधानमंत्री आवास के योजना प्रलंबित काम तत्काल पूर्ण करें

प्रतिनिधि, 17 मई

अमरावती- प्रधानमंत्री आवास योजना व रमाई आवास योजना के प्रलंबित काम तत्काल पूर्ण करने की मांग लेकर पार्षद विजय वानखड़े ने मनपा आयुक्त को निवेदन सौंपा. निवेदन में कहा गया है कि प्रभाग क्र. 1, शेगांव-रहाटगांव भौगोलिक दृष्टि से काफी बड़ा प्रभाग है. प्रभाग के अनेक नागरिकों ने मनपा में प्रधानमंत्री आवास योजना व रमाई आवास योजना में विधिवत आवेदन किया है. उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा, इसलिए उन्होंने अपने पुराने घर तोड़ दिए, जिसके कारण उनके पास अब रहने को जगह नहीं है. आगामी बारिश के दिनों को देखते हुए आपसे निवेदन है कि इन योजनाओं के अंतर्गत जिन नागरिकों को घरकुल मंजूर हुए उन्हें उनकी किश्तों का वितरण तत्काल करने के संबंध में संबंधित अधिकारी को आदेश दें.

अमरावती विवि के नए कुलगुरु की चयन प्रक्रिया प्रलंबित

प्रतिनिधि, 17 मई

अमरावती- संगाबा अमरावती विद्यापीठ के विद्यमान कुलगुरु डॉ. मुरलीधर चांदेकर का कार्यकाल 2 जून को समाप्त हो रहा है, किंतु अब केवल 15 दिन शेष रहने के चलते कोरोना संक्रमण के कारण राजभवन से नए कुलगुरु के चयन की प्रक्रिया प्रलंबित होती दिखाई दे रही है. जिसके कारण राज्यपाल कार्यालय से इस संदर्भ में गतिविधियां कब शुरु होंगी, इस ओर शैक्षणिक क्षेत्र के विशेषज्ञों की नजरें लगी हैं. नए कुलगुरु के चयन के लिए राज्यपाल की ओर से समिति गठित होना आवश्यक है. इसके अलावा कुलगुरु चयन की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती. अमरावती विद्यापीठ के कुलगुरु का कार्यकाल समाप्त होने में 15 दिन रहने के बाद भी राजभवन से ना तो समिति गठित हुई और ना ही कुलगुरु पद के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया. जिसके कारण उच्च शिक्षा क्षेत्र में कुलगुरु पद के लिए पात्र अनेक लोगों को कुलगुरु पद की उम्मीद लगी है. अमरावती विद्यापीठ में फरवरी माह में नए कुलगुरु चयन समिति के सदस्य पद के लिए व्यवस्थापन परिषद, विद्वत परिषद की संयुक्त बैठक संपन्न हुई. इसमें दिल्ली स्थित बीएचयू आयआयटी के संचालक संजीवकुमार जैन का सदस्य के रूप में चयन करके वैसा पत्र राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के अवलोकनार्थ भेजा गया, किंतु राज्यपाल नामित समिति के अध्यक्ष, सचिव का अभी तक चयन नहीं हुआ. अब केवल 15 दिन रहने के चलते कोरोना संक्रमण की बढ़ती गति को देखते हुए राजभवन से अमरावती विद्यापीठ के नए कुलगुरु की चयन प्रक्रिया में कब गति आएगी, इस ओर ध्यान लगा है.कुलगुरु चयन समिति के अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अथवा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश होना अपेक्षित है. उसी प्रकार सचिव पद पर राज्य के उच्च व तंत्रशिक्षा विभाग के प्रधान सचिव का चयन होता है.

जिप शिक्षक व कर्मचारियों का वेतन सीएमपी प्रणाली से अदा करें

प्रहार शिक्षक संगठन ने सीईओ को सौंपा ज्ञापन

अमरावती- जिप अंतर्गत जिला परिषद की निजी अनुदानित, अंशतः अनुदानित शिक्षकों के वेतन का प्रश्न दिनोंदिन गंभीर होता जा रहा है तथा दो-दो माह विलंब से वेतन हो रहा है. सन् 2013 से शिक्षकों का वेतन 1 तारीख को ही हो, इसलिए शालार्थ प्रणाली द्वारा वेतन देयक जमा करना शुरु किया गया है. शासन की नीति के अनुसार वेतन देयक धनादेश के बिना करना होने के कारण स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से करार करके जिला कोषागार से प्रत्यक्ष शिक्षकों के खाते में वेतन जमा होने के लिए सीएमपी (कैश मैनेजमेंट प्रॉडक्ट) प्रणाली का उपयोग करने की सूचना शासन स्तर पर दी गई है. इस प्रणाली द्वारा अदा होने वाली रकम प्रत्यक्ष शिक्षकों के खाते में जमा होती है. जिसके कारण शिक्षकों के वेतन में होने वाला विलंब स्थायी रूप से रोककर शिक्षकों का वेतन 1 तारीख को जमा हो सकता है. 5 वर्षों से शासन द्वारा आदेश देने के बाद भी अनेक जिला परिषद का वेतन समय पर नहीं होता. महाराष्ट्र की अनेक जिला परिषदों में अभी भी मार्च माह का वेतन अदा नहीं किया गया. इस प्रकार कोरोना का प्रादुर्भाव होने के बाद भी शिक्षकों की आर्थिक परेशानियां शुरु ही हैं. राज्य के अनेक शिक्षकों ने गृह कर्ज व अन्य कर्ज लिए हैं. उसके अलावा ब्याज का अतिरिक्त भुर्दंड भी शिक्षकों को बैठ रहा है. यदि सीएमपी प्रणाली चलाई गई तो भविष्य में शिक्षकों को समय-समय पर बैठने वाले ब्याज के भुर्दंड से शिक्षकों को राहत मिलेगी. अतः शालार्थ से सीएमपी प्रणाली का उपयोग करके शिक्षकों के वेतन का प्रश्न स्थायी रूप से हल करने की मांग प्रहार शिक्षक संगठन के राज्याध्यक्ष महेश ठाकरे ने अमरावती जिप के सीईओ व शिक्षाधिकारी को सौंपे गए निवेदन के माध्यम से की है.

कुलगुरु चांदेकर की पदोन्नति के संकेत

इस दौरान मुरलीधर चांदेकर ने केंद्र सरकार में अच्छी पकड़ निर्माण की है. चांदेकर फिलहाल यूजीसी की महाविद्यालयीन अनुदान समिति पर कार्यरत हैं, बंगलुरु की नैक समिति पर हैं. जिसके कारण कुलगुरु चांदेकर को अमरावती से सीधे दिल्ली के केंद्रीय अनुदान आयोग में नंबर लगेगा, ऐसा विश्वसनीय सूत्रों ने कहा है. यूजीसी में बड़े पद पर विराजित होने के लिए कुलगुरु चांदेकर द्वारा आवेदन भी प्रस्तुत करने की जानकारी मिली है.

परशुराम जयंती पर जगदंब ग्रुप ने किया अन्नदान

प्रतिनिधि, 17

अमरावती- बडनेरा स्थित जगदंब ग्रुप द्वारा भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में अन्नदान का कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस अवसर पर राज्य के पूर्व कृषि मंत्री डॉ. अनिल बोंडे की प्रमुख उपस्थिति में भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर आयोजन की शुरूआत की गई. साथ ही बडनेरा के शहरी निवारा केंद्र में रहने वाले लोगों सहित सभी जरूरतमंद लोगों को जगह-जगह जाकर अन्नदान किया गया.

इस आयोजन में जगदंब ग्रुप बडनेरा के दीपेश रिछारिया, राहुल जाधव, पवनकुमार यादव, ऋषि मिश्रा, अथर्व देव, साहिल सैनी, दर्शन रिछारिया आदि उपस्थित थे.

कंवर नगर में टीकाकरण केन्द्र शुरू करें

संत बाबा हरदास राम सेवा मंडल का विधायक राणा को निवेदन

अमरावती- सरकार व प्रशासन के सहयोग से कंवर नगर में टीकाकरण केंद्र शुरू किया जाए ताकि शहर के कई परिसरों के नागरिकों को लाभ मिल सके. इसके लिए सोमवार को विधायक रवि राणा को संत बाबा हरदास राम सेवा मंडल द्वारा निवेदन दिया गया. इस अवसर पर युवा स्वाभिमान पार्टी शहर उपाध्यक्ष महेश मूलचंदानी, राजू हरवानी, जगदीश छतवानी, बहारुराम बत्रा, घनश्याम दास डेंबला, लखापति बजाज,

विजय छतवानी, वासरानी व अन्य लोग उपस्थित थे.

कोरोना संकट काल में प्रवीण हरमकर की निरंतर भोजन सेवा

सैकड़ों मरीज व रिश्तेदारों की 21 दिनों से अविरत भोजन व्यवस्था

प्रतिनिधि, 17 मई

अमरावती- कोरोना के संकट काल में जहां मानवता लुप्त होने की शंका निर्माण होती है, उसी काल में समाज के कुछ लोग मानवता के दृष्टिकोण से मानवता को सहेजने का कार्य कर रहे हैं. उन्हीं कार्यों में शिवसेना के सहसंपर्क प्रमुख प्रवीण हरमकर व उनकी सक्करसाथ मित्रमंडली की ओर से कोरोना व सारी के मरीजों तथा उनके रिश्तेदारों के लिए चलाई जाने वाली अक्षय पात्र सेवा अमरावती में सराहनीय बन गई है. कोरोना के बढ़ते प्रादुर्भाव के कारण ग्रामीण क्षेत्र के कोरोना उसी प्रकार सारी के मरीजों की संख्या स्थानीय सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, इर्विन हॉस्पिटल तथा डॉ. पंजाबराव देशमुख वैद्यकीय महाविद्यालय के हॉस्पिटल में बढ़ने लगी है. कोरोना के बढ़ते प्रादुर्भाव के कारण जिला प्रशासन द्वारा लगाई गई संचार बंदी तथा दूसरी ओर अस्पतालों में भर्ती मरीजों की देखभाल करने के लिए साथ में रहने वाले रिश्तेदारों को भोजन की काफी असुविधा हो रही थी. सुबह के भोजन की व्यवस्था शिवभोजन थाली के माध्यम से जैसे-तैसे हो जाने के बाद शाम के भोजन की चिंता मरीज व उनके रिश्तेदारों को सताने लगती थी. ग्रामीण क्षेत्र के मरीज होने के कारण व जिले में संचारबंदी होने के कारण उन्हें गांव जाकर मरीज व स्वयं के भोजन की व्यवस्था करना संभव नहीं था.

ऐसे में अमरावती शहर के सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, जिला सामान्य हॉस्पिटल व पीडीएमसी हॉस्पिटल में दाखिल मरीजों की व उनके रिश्तेदारों की उसी प्रकार जिला सामान्य अस्पताल में दाखिल सारी के मरीजों की भोजन व्यवस्था करने का संकल्प शिवसेना सहसंपर्क प्रमुख प्रवीण हरमकर व उनकी सक्करसाथ मित्र मंडली ने लिया. प्रवीण हरमकर के आवाहन को सम्मति देते हुए उन्हीं के मित्र परिवार के अनेक सदस्य ग्रामीण क्षेत्र से शहर के हॉस्पिटल में दाखिल होने वाले मरीजों व उनके रिश्तेदारों की भोजन की व्यवस्था करने हेतु आगे आए. लगभग 21 दिनों से यह मंडली अमरावती शहर में विविध सरकारी अस्पतालों में भर्ती कोरोना व सारी के मरीज उसी प्रकार उनके रिश्तेदारों के भोजन की व्यवस्था निरंतर कर रहे हैं. प्रवीण हरमकर व उनकी सक्करसाथ मित्र मंडली की ओर से कोरोना के संकट काल में चलाए जाने वाला यह उपक्रम मरीज व उनके रिश्तेदारों के लिए अक्षय पात्र सेवा साबित हो रहा है.

रोजाना 50 किलो की सब्जी व रोटी

इस उपक्रम में रोजाना 50 किलो सब्जी व 50 किलो रोटियां बनाई जाती हैं. तैयार किए जाने वाला यह भोजन मरीज व उनके रिश्तेदारों के लिए स्वादिष्ट व रुचिकर हो, इस ओर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है. रोजाना के मेनू में कभी पाटोड़ा की सब्जी, मिक्स सब्जी, मसाला भिंडी जैसी स्वादिष्ट सब्जियां भी बनाई जाती हैं. इसके साथ ही उन्हें पीने के लिए शुद्ध बोतल बंद पेयजल की आपूर्ति की जा रही है.

आबाल वृद्धों सहित सभी का सहभाग

प्रवीण हरमकर के मार्फत चलाए जा रहे इस उपक्रम में उनके परिसर के आबाल वृद्धों से सभी स्तर के नागरिक उत्स्फूर्त सहभाग ले रहे हैं. भोजन के पैकेट तैयार करने से लेकर उनका अस्पताल में जाकर वितरण करने तक के काम में इन सभी लोगों का सक्रीय सहभाग रहता है.

परप्रांतियों के भोजन की भी की थी व्यवस्था

प्रवीण हरमकर व उनकी मित्र मंडली ने पिछले वर्ष के लॉकडाउन के काल में पैदल गांवों की ओर निकले हजारों परप्रांतीय मजदूरों के भोजन की अकोला-नागपुर हाईवे पर स्थित टी पॉइंट पर लगभग डेढ़ माह व्यवस्था की थी.